आकाशवाणी
क्षेत्रीय समाचार एकांश
देहरादून (उत्तराखण्ड)
शनिवार 07.06.2025
समय 1305

मुख्य समाचार :–

- मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने हल्द्वानी के कालूसिद्ध मंदिर में आयोजित प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। कहा– राज्य की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करते हुए विकास कार्यों को आगे बढ़ाना सरकार की प्राथमिकता।
- ऋषिकेश–कर्णप्रयाग ब्रॉडगेज रेल लाइन परियोजना के अंतर्गत गूलर और व्यासी के बीच 6 किलोमीटर से अधिक लंबी सुरंग का काम हुआ पूरा।
- विकसित कृषि संकल्प अभियान के तहत ऊधमसिंह नगर जिले के विभिन्न गांवों में जागरूकता शिविरों का आयोजन किया गया।
- देश के विभिन्न भागों में आज ईद–उल–अज़हा मनाई जा रही है।

प्राण प्रतिष्ठा

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आज नैनीताल के हल्द्वानी में कालूसिद्ध मंदिर में आयोजित प्राण प्रतिष्ठा में पूजा अर्चना कर प्रदेशवासियों की सुख–समृद्धि की कामना की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि कालूसिद्ध मंदिर क्षेत्रवासियों की आस्था का प्रमुख केंद्र है। श्री धामी ने कहा कि राज्य की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करते हुए विकास कार्यों को आगे बढ़ाना सरकार की प्राथमिकता है।

उन्होंने नव निर्मित भव्य मंदिर परिसर का निरीक्षण भी किया।

इससे पहले मुख्यमंत्री ने नैनीताल में साफ़–सफ़ाई और पौधारोपण कर 'स्वच्छ उत्तराखण्ड' के संकल्प को सिद्ध करने की दिशा में अपनी भागीदारी सुनिश्चित की। इस दौरान उन्होंने छात्र–छात्राओं को पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छता की शपथ भी दिलाई।

नैनीताल भ्रमण के दौरान मुख्यमंत्री ने स्थानीय लोगों से मुलाकात कर उनसे सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं का फीडबैक लिया, साथ ही स्थानीय स्तर पर स्वच्छता और विकास से जुड़े विषयों पर सुझाव भी प्राप्त किए।

ऋषिकेश–कर्णप्रयाग

ऋषिकेश–कर्णप्रयाग ब्रॉडगेज रेल लाइन में ऐतिहासिक सफलता मिली है। परियोजना के पैकेज–2 में गूलर और व्यासी के बीच 6 दशमलव 6 किलोमीटर लंबी अंतिम सुरंग का काम पूरा हो गया है। इससे पहले शिवपुरी और गूलर के बीच 6 दशमलव 5 किलोमीटर लंबी सुरंग का काम पूरा हो चुका है। आरवीएनएल के परियोजना प्रबंधक रविकांत ने बताया कि यह सफलता योजना, इंजीनियरिंग कौशल और श्रमिकों की कड़ी मेहनत का नतीजा है। उन्होंने कहा कि सुरंग के निर्माण के दौरान कठोर चट्टानें, भूमिगत जल रिसाव और प्रतिकूल मौसम समेत कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा। यह सफलता न केवल तकनीकी सफलता का प्रतीक है, बल्कि यह चारधाम यात्रा को सुगम बनाने और उत्तराखंड के विकास की दिशा में एक निर्णायक कदम भी है।

सरकार के 11 साल

भारत ने सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के सिद्धांतों से प्रेरित होकर एक दशक तक उल्लेखनीय परिवर्तन किया है। आकाशवाणी समाचार आपके लिए पिछले करीब 11 वर्षों में प्रमुख क्षेत्रों में सरकार के प्रयासों पर विशेष श्रृंखला लेकर आया है। आज, हम वैश्विक नेतृत्व और स्वच्छ ऊर्जा पर ध्यान देंगे।

पिछले दशक में भारत में स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है और जलवायु कार्यवाही में वैश्विक नेता के रूप में उभरा है। देश ने वित्त वर्ष 2024–25 में अक्षय ऊर्जा क्षमता में रिकॉर्ड 29 दशमलव 52 गीगावॉट की बढ़ोतरी की है। जिसके चलते अब कुल क्षमता 220 दशमलव 10 गीगावॉट हो गई है। इसमें पवन और सौर ऊर्जा में तेज वृद्धि के साथ–साथ परमाणु ऊर्जा में भी अच्छा इजाफा हुआ है। भारत अब अक्षय ऊर्जा देश आकर्षण सूचकांक में साथ में सातवें स्थान पर है, जो वैश्विक स्वच्छ ऊर्जा क्षेत्र में देश के बढ़ते कद को दर्शाता है। राष्ट्रीय ग्रीन हाइड्रोजन मिशन जैव ऊर्जा कार्यक्रम और इलेक्ट्रिक मोबिलिटी जैसी पहल कम कार्बन अर्थव्यवस्था की नींव रख रही हैं। भारत की यह स्वच्छ ऊर्जा पहल उसके वैश्विक जलवायु नेतृत्व से जुड़ी हुई है। कॉप 26 सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पंचामृत लक्ष्य घोषित किए, जिनका उद्देश्य 2070 तक शून्य कार्बन उत्सर्जन हासिल करना है। इसके अलावा भारत में अंतरराष्ट्रीय जलवायु सहयोग को आकार देने में भी सक्रिय भूमिका निभाई है। भारत अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन और आपदा प्रतिकारक बुनियादी ढांचे के गठबंधन का संस्थापक सदस्य और प्रमुख साझेदार है। यह मंच विशेष रूप से दक्षिणी देश में स्वच्छ ऊर्जा और आपदा प्रबंधन को बढ़ावा देते हैं। भारत की यह यात्रा दिखती है कि सतत विकास केवल एक लक्ष्य नहीं बल्कि एक सच्चाई बनता जा रहा है। अक्षित वैद्यान, आकाशवाणी समाचार, दिल्ली।

विकसित कृषि संकल्प अभियान

विकसित कृषि संकल्प अभियान के तहत ऊधमसिंह नगर के सैजना, नारायणपुर, कनकपुर गांव में जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में कृषि विज्ञान केंद्र काशीपुर के वैज्ञानिकों और कृषि अधिकारियों ने किसानों को केंद्र व राज्य सरकार की योजनाओं तथा कृषि से जुड़ी आधुनिक तकनीकों की जानकारी दी। कृषि विज्ञान केंद्र काशीपुर के प्रोफेसर डॉ. अनिल सैनी ने बताया कि सैजना और नारायणपुर गांव के किसानों को बकरी पालन और पॉलीहाउस की जानकारी दी गई।

सैजनी के किसान रविकांत वर्मा ने कहा कि कृषि संकल्प अभियान केंद्र सरकार की बहुत अच्छी पहल है। जिसमें किसानों की सभी शंकाओं का समाधान हो रहा है और उन्हें सरकारी योजनाओं की जानकारी तुरंत मिल रही है।

पौड़ी के भूमि देवता

पौड़ी भूमि देवता कंडोलिया की तीन दिवसीय वार्षिक पूजा आज से शुरू हो गई है। पौड़ी गांव स्थित मंदिर में पारंपरिक पूजा के बाद देव डोली कंडोलिया मंदिर पहुंची। वार्षिक पूजा में बड़ी संख्या में प्रवासी लोग भी शामिल होते हैं। मंदिर समिति के अध्यक्ष जसपाल सिंह नेगी ने बताया कि आज मंदिर में दिनभर पूजा–अर्चना के बाद रात्रि जागरण होगा और कल विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा। कंडोलिया मंदिर में 1985 से लगातार वार्षिक भंडारे का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें लाखों लोग शामिल होने पहुंचते हैं।

ईद–उल–अज़हा

ईद–उल–अज़हा आज देश के विभिन्न भागों में मनायी जा रही है। ईद–उज़–अज़हा हज़रत इब्राहिम द्वारा खुदा के आदेश का पालन करते हुए अपने इकलौते बेटे की कुर्बानी देने की याद में मनायी जाती है।

राजधानी देहरादून, हरिद्वार समेत प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में लोगों ने ईदगाह में ईद–उल–अज़हा की नमाज़ अदा की।

उधर, बागेश्वर जिले में भी ईद–उल–जुहा का पर्व आज परंपरागत श्रद्धा, उल्लास और आपसी भाईचारे के साथ मनाया जा रहा है। मुख्य नमाज बागेश्वर नगर की जामा मस्जिद में अदा की गई, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने शिरकत की।

नमाज के बाद लोगों ने एक–दूसरे को गले लगाकर मुबारकबाद दी और देश व समाज की तरक्की और अमन–चैन के लिए दुआ की।

ईद को देखते हुए प्रशासन की ओर से सुरक्षा व्यवस्था चाक–चौबंद रही।

समीक्षा बैठक

आगामी मानसून को देखते हुए शासन – प्रशासन तैयारियों में जुटा हुआ है। इसके लिए संवेदनशील स्थानों पर आपदाओं से निपटने के लिए सभी तैयारियां की जा रही हैं। इसी क्रम में चंपावत के जिलाधिकारी नवनीत पांडे ने टनकपुर–बनबसा में मानसून में आपदा से बचाव को लेकर समीक्षा बैठक की। बैठक में उन्होंने अधिकारियों को किरौड़ा नाला समेत अन्य संवेदनशील नदियों और नालों को 15 जून तक चौनलाइज करने के निर्देश दिए। साथ ही संवेदनशील स्थानों पर नालों पर अतिक्रमण हटाने को कहा। गौरतलब है कि पिछले साल बारिश के कारण टनकपुर–बनबसा में भारी नुकसान हुआ था।